**NEWS CLIPPING: 04.05.2020**

**PUNJAB KESARI**

# जेसी बोस विश्वविद्यालय में बनेगा सोशल मीडिया इंक्यूबेशन सेंटर

## विश्व प्रैस दिवस पर वैबीनार कर हुआ आयोजन

फरीदाबाद, 3 मई (पूजा शर्मा): जे.सी. बोस विश्वविद्यालय द्वारा न्यू मीडिया के उभरते क्षेत्र में युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया इंक्यूबेशन सेंटर की स्थापित किया जायेगा। कोविड-19: मीडिया के स मुख चुनौतियां विषय पर आयोजित वेबिनार में प्रो. बृजकिशोर कुठियाला के सुझाव पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय में न्यू मीडिया क्षेत्र में स्टॉर्ट-अप एवं रोजगार के अवसरों को सृजित करने सोशल मीडिया इंक्यूबेशन सैंटर स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में एलुमनाई एसोसिएशन के सदस्यों तथा उद्यम विशेषज्ञों की देखरेख में इंक्यूबेशन सेंटर का संचालन किया जा रहा है और सोशल मीडिया के बढ़ते रूझानों को देखते हुए विश्वविद्यालय सोशल मीडिया इंक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से मीडिया के विद्यार्थियों को भी सुविधा उपलब्ध करवाई जायेगी ताकि मीडिया के विद्यार्थी बदलते परिवेश के अनुरूप ज्ञान अर्जन द्वारा कैरियर संवार सकें। इसके अलावा, विश्वविद्यालय द्वारा मीडिया अनुसंधान को भी बढ़ावा दिया जायेगा। वहीं विश्व प्रैस दिवस पर विश्वविद्यालय द्वारा वैबीनार का आयोजन भी किया गया। कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के कारण मीडिया के समक्ष उत्तरजीविका को लेकर उत्पन्न हुए आर्थिक संकट से निपटने के लिए मीडिया जगत से जुड़े बुद्धिजीवियों को संस्थागत मीडिया के प्रबंधन के व्यवसायिक मॉडल को छोड़कर सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित गैर-व्यवसायिक मॉडल विकसित करने पर ध्यान देना होगा।यह सुझाव जन संचार, मीडिया प्रौद्योगिकी शिक्षा तथा अनुसंधान के क्षेत्र में चार दशकों से कार्य कर रहे प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने आज जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संबोधित करते हुए दी। कोविड-19: मीडिया के सम्मुख चुनौतियां विषय को लेकर आयोजित वेबिनार के दौरान परिचर्चा में जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट स्कूल, दिल्ली के निदेशक प्रो. रवि के. धर, वरिष्ठ पत्रकार सर्जना शर्मा तथा दैनिक जागरण के वरिष्ठ संवाददाता बिजेन्द्र बंसल ने हिस्सा लिया तथा वेबिनार के मुख्य विषय को लेकर अपने विचार व्यक्त किये।

## कोरोना में प्रेस के लिए नई चुनौतियां

**इससे** पूर्व, कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस का आयोजन स्वतंत्र पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों की अनुपालना, विश्वभर में प्रेस की स्वतंत्रता के मूल्यांकन तथा पत्रकारिता करते हुए जीवन का बलिदान देने वाले मीडिया कर्मियों के स मान में किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज पत्रकार वैचारिक लड़ाई लड़ने के साथ-साथ कोविड-19 महामारी में नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता किसी भी तरह का हस्तक्षेप या हमला निंदनीय है और एक स्वस्थ समाज में इसके लिए कोई जगह नहीं है। विश्वविद्यालय द्वारा सामयिक विषय को लेकर आयोजित वेबिनार को सराहनीय पहल बताते हुए प्रो. रवि धर ने कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों की विवेचना आर्थिक एवं सामाजिक जि मेदारियों के आधार पर की। प्रो. धर ने कहा कि देश में मीडिया को मीडिया मनोरंजन उद्योग के रूप में मान्यता दी गई है। इसलिए, मीडिया के अस्तित्व के लिए आर्थिक स्थिति का अनुकूल होना जरूरी हैं। वर्तमान परिपेक्ष में उन्होंने पत्रकारिता को चुनौतीपूर्ण बताया।

## प्रिंट मीडिया ज्यादा प्रभावित

**कोविड** महामारी से उत्पन्न व्यवहारिक चुनौतियों का उल्लेख करते हुए वरिष्ठ पत्रकार सर्जना शर्मा ने कहा कि महामारी से उत्पन्न स्थिति ने मीडिया उद्योग को धराशायी कर दिया हैं। इसमें प्रिंट मीडिया सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। सं मण के डर से अखबारों के सर्कुलेशन में भारी गिरावट आई है। विज्ञापन कम हो गये हैं, जिससे अखबारों में पेजों की सं या कम हो गई है। ऐसी स्थिति में प्रमुख समाचार समूह व मीडिया संगठन भी अपने कर्मियों को वेतन देने की स्थिति में नहीं है, जिसके कारण मीडिया कर्मियों की छटनी हो रही है और छोटे समाचार पत्रों की स्थिति तो इससे भी खराब है। इस बीच सकारात्मक पहलु यह है कि सोशल मीडिया माध्यमों पर पाठकों की पहुंच बढ़ी है लेकिन इसका भी सीधा लाभ अखबारों को नहीं मिल पा रहा हैं। इसके बावजूद, मीडिया कर्मी लोगों तक सूचना पहुंचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे है। उन्होंने कहा कि आज मीडिया के अस्तित्व को लेकर संकट है और इस संकट से निपटने के लिए मीडिया की स्थाई आमदनी के लिए कोई रास्ता निकालने की आवश्यकता है। दैनिक जागरण के वरिष्ठ संवाददाता बिजेन्द्र बंसल ने कहा कि कोविड-19 महामारी पत्रकारों के लिए युद्ध जैसी स्थिति है, जिसमें किसी को भी नहीं पता कि कितने सुरक्षित है और चुनौती यह है कि सूचनाओं को लोगों तक पहुंचाना है। वेबिनार को प्रो. राज कुमार, विभागाध्यक्ष अध्यक्ष डॉ. अतुल मिश्रा तथा कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग ने भी संबोधित किया। वेबिनार का समन्वयन एवं संचालन डॉ. सुभाष गोयल द्वारा किया गया।

**NEWS CLIPPING: 04.05.2020**

**NAVBHARAT TIMES**

# 'महामारी से निपटने में मीडिया ने परिपक्वता का परिचय दिया'

## जेसी बोस यूनिवर्सिटी में मीडिया के सामने चुनौतियों पर हुआ कार्यक्रम

**एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद:** जेसी बोस यूनिवर्सिटी के संचार व मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग की तरफ से विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। कोविड-19: मीडिया के सामने चुनौतियां विषय पर आयोजित इस परिचर्चा में जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट स्कूल दिल्ली के निदेशक प्रफेसर रवि के धर के साथ वरिष्ठ पत्रकारों ने हिस्सा लिया। मीडिया प्रौद्योगिकी शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे प्रोफेसर बृज किशोर कुठियाला मुख्य वक्ता के रूप में वेबिनार से जुड़े। इसकी अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने की। प्रोफेसर बृज किशोर कुठियाला ने कहा कि मीडिया को पोषित करने के लिए व्यवसायिक मॉडल को बदलने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय आपदा से निपटने में भारतीय मीडिया ने परिपक्वता का परिचय दिया है। कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि आज पत्रकार वैचारिक लड़ाई लड़ने के साथ-साथ कोविड-19 महामारी में नई चुनौतियों का सामना कर रहे है।

### यूनिवर्सिटी में बनेगा सोशल मीडिया इंक्यूबेशन सेंटर

कुलपति ने कहा कि मीडिया के उभरते क्षेत्र में युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार के अवसरों के लिए सक्षम बनाने के लिए यूनिवर्सिटी में सोशल मीडिया इंक्यूबेशन सेंटर स्थापित किया जाएगा। यूनिवर्सिटी में एलुमनाई असोसिएशन के सदस्यों व उद्यम विशेषज्ञों की देखरेख में इसका संचालन होगा। सोशल मीडिया के बढ़ते रूझानों को देखते हुए यूनिवर्सिटी इसके माध्यम से मीडिया के छात्रों को भी यह सुविधा उपलब्ध करवाएगी।

**NEWS CLIPPING: 04.05.2020**

**THE PIONEER**

# जेसी बोस में सोशल मीडिया इंक्यूबेशन सेंटर होगा स्थापित

**फरीदाबाद।** कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के कारण मीडिया के समक्ष उत्तरजीविका को लेकर उत्पन्न हुए आर्थिक संकट एवं चुनौतियों से निपटने के लिए मीडिया जगत से जुड़े बुद्धिजीवियों को संस्थागत मीडिया के प्रबंधन के व्यवसायिक मॉडल को छोड़कर सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित गैर-व्यवसायिक मॉडल विकसित करने पर ध्यान देना होगा। इससे मीडिया के प्रबंधन में स्थायित्व आयेगा। यह सुझाव जन संचार, मीडिया प्रौद्योगिकी शिक्षा तथा अनुसंधान के क्षेत्र में चार दशकों से कार्य कर रहे प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए दी। कोविड-19 मीडिया के सम्मुख चुनौतियां विषय को लेकर आयोजित वेबिनार के दौरान परिचर्चा में जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट स्कूल, दिल्ली के निदेशक प्रो. रवि के. धर, वरिष्ठ पत्रकारों ने हिस्सा लिया तथा वेबिनार के मुख्य विषय को लेकर अपने विचार व्यक्त किये। वेबिनार की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। प्रो. बृज किशोर कुठियाला, जोकि हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष भी है, ने कहा कि व्यवसायिक मॉडल मूलत: उत्पाद एवं मांग के अनुरूप के मूल्य निर्धारण एवं लाभांश पर निर्भर करता है लेकिन इसके विपरीत मीडिया उद्योग में उत्पादन एवं आपूर्ति का यह सिद्धांत लागू नहीं होता। इसलिए, मीडिया को पोषित करने के व्यवसायिक मॉडल को बदलने की आवश्यकता है। यह समाज द्वारा पोषित किया जाना चाहिए, जिससे मीडिया में सामाजिक उत्तरदायित्व एवं विश्वसनीयता को बल मिलेगा। धर्म एवं अध्यात्म पर आधारित पत्र-पत्रिकाओं का उदाहरण देते हुए प्रो. कुठियाला ने कहा कि ऐसी कई पत्रिकाएं 100 वर्षों से अधिक समय से सफलतापूर्वक प्रकाशित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के उपरांत मीडिया के स्वरूप को लेकर समीक्षा तथा पुनरुत्थान की आवश्यकता है।

**NEWS CLIPPING: 04.05.2020**

**DAINIK JAGRAN**

# मीडिया के सम्मुख चुनौतियों पर हुई चर्चा

**जागरण संवाददाता, फरीदाबाद:** जेसी बोस विश्वविद्यालय में विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर वेबिनार का आयोजन किया गया किया। कोविड-19 मीडिया के सम्मुख चुनौतियां विषय को लेकर आयोजित वेबिनार के दौरान परिचर्चा में जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट स्कूल दिल्ली के निदेशक प्रो.रवि के. धर, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष प्रो.बृज किशोर कुठियाला, वरिष्ठ पत्रकार सर्जना शर्मा ने हिस्सा लिया। अध्यक्षता कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने की। प्रो.कुठियाला ने कहा कि व्यवसायिक मॉडल मूलतः उत्पाद एवं मांग के अनुरूप के मूल्य निर्धारण एवं लाभांश पर निर्भर करता है, लेकिन इसके विपरीत मीडिया उद्योग में उत्पादन एवं आपूर्ति का यह सिद्धांत लागू नहीं होता। प्रो.रवि के धर ने कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों की विवेचना आर्थिक एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के आधार पर की।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस का आयोजन स्वतंत्र पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों की अनुपालना, विश्वभर में प्रेस की स्वतंत्रता के मूल्यांकन के बारे में गहराई से प्रकाश डाला।